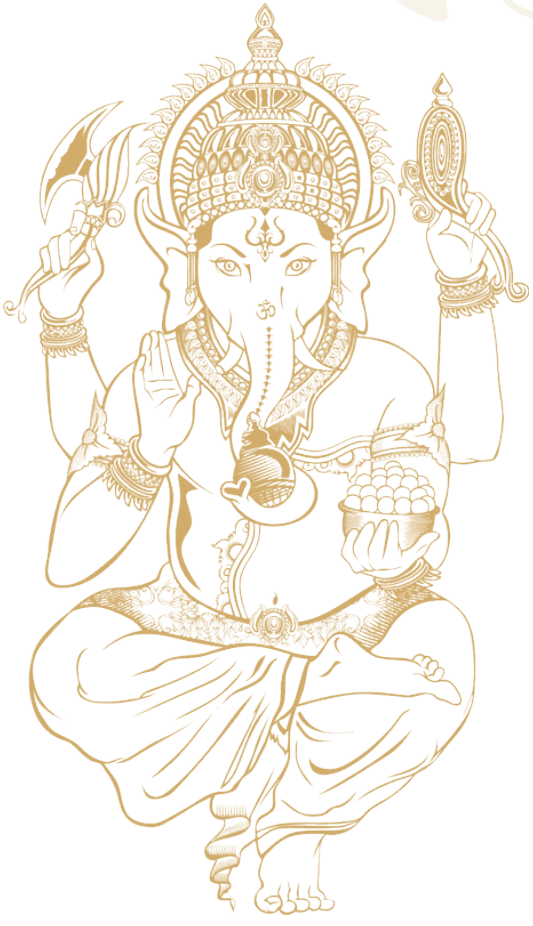

Mr.shalesh Saxena elder son

01 Dec 1997

08:02 AM

Bareilly

Model: web-freekundliweb

Order No: 121449714

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/12/1997**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**08:02:00 घंटे**
इष्ट	03:06:58 घटी
स्थान	**Bareilly**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:20:00 उत्तर
रेखांश	79:24:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:12:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:49:36 घंटे
वेलान्तर	00:10:59 घंटे
साम्पातिक काल	12:29:35 घंटे
सूर्योदय	06:47:12 घंटे
सूर्यास्त	17:15:39 घंटे
दिनमान	10:28:26 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	15:06:15 वृश्चिक
लग्न के अंश	00:37:16 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	धृति
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यू-युवराज
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	00:37:16	323:47:32	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
सूर्य			वृश्चि	15:06:15	01:00:50	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	27:17:25	13:10:00	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	नीच राशि
मंगल			धनु	22:50:13	00:46:17	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	मित्र राशि
बुध			धनु	06:26:08	00:50:37	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
गुरु			मक	22:44:26	00:09:18	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	नीच राशि
शुक्र			धनु	29:12:21	00:44:17	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	सम राशि
शनि	व		मीन	19:55:14	00:01:39	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
राहु	व		सिंह	21:54:17	00:13:39	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	21:54:17	00:13:39	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	11:51:01	00:02:17	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
नेप			मक	04:06:49	00:01:38	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	11:46:44	00:02:22	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			कन्या	14:13:36	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:35

लग्न-चलित

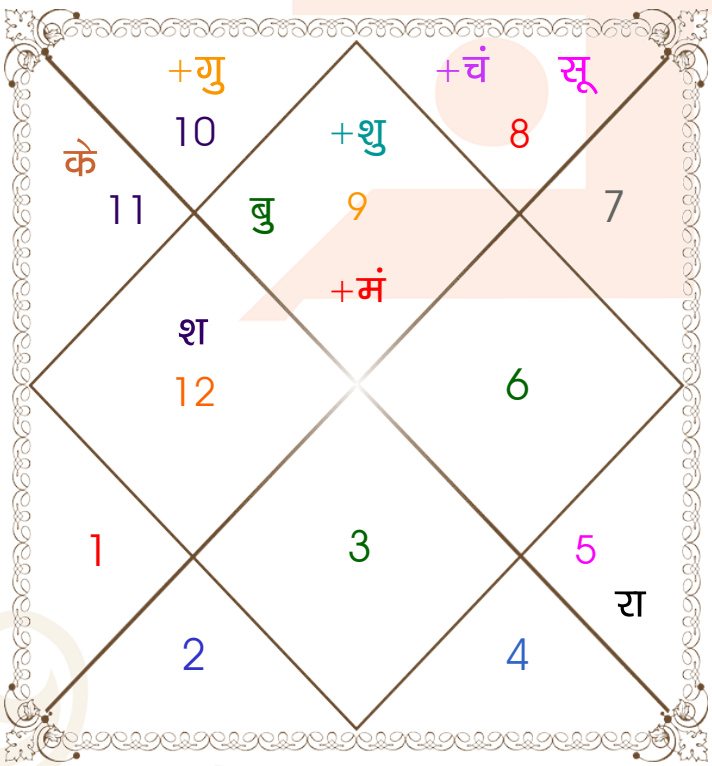

चन्द्र कुंडली

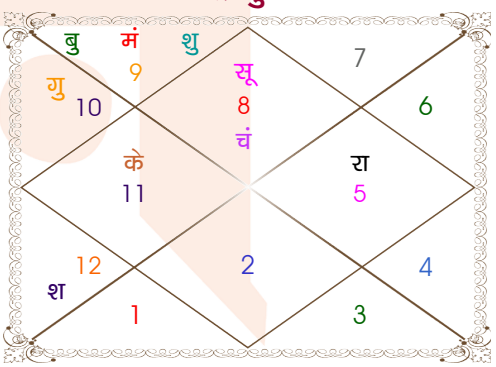

नवमांश कुंडली

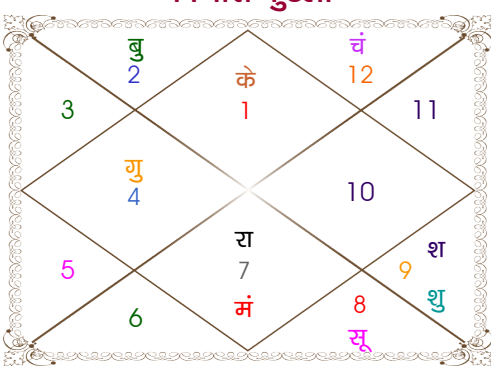

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 3 वर्ष 5 मास 13 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
01/12/1997		16/05/2001		15/05/2008		15/05/2028		16/05/2034	
16/05/2001		15/05/2008		15/05/2028		16/05/2034		15/05/2044	
	00/00/0000	केतु	12/10/2001	शुक्र	15/09/2011	सूर्य	02/09/2028	चंद्र	16/03/2035
	00/00/0000	शुक्र	12/12/2002	सूर्य	14/09/2012	चंद्र	04/03/2029	मंगल	15/10/2035
	00/00/0000	सूर्य	19/04/2003	चंद्र	16/05/2014	मंगल	10/07/2029	राहु	15/04/2037
	00/00/0000	चंद्र	18/11/2003	मंगल	16/07/2015	राहु	03/06/2030	गुरु	15/08/2038
	00/00/0000	मंगल	15/04/2004	राहु	16/07/2018	गुरु	22/03/2031	शनि	16/03/2040
	00/00/0000	राहु	04/05/2005	गुरु	16/03/2021	शनि	03/03/2032	बुध	15/08/2041
	01/12/1997	गुरु	09/04/2006	शनि	15/05/2024	बुध	08/01/2033	केतु	16/03/2042
गुरु	06/09/1998	शनि	19/05/2007	बुध	16/03/2027	केतु	16/05/2033	शुक्र	15/11/2043
शनि	16/05/2001	बुध	15/05/2008	केतु	15/05/2028	शुक्र	16/05/2034	सूर्य	15/05/2044

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
15/05/2044		16/05/2051		16/05/2069		16/05/2085		16/05/2104	
16/05/2051		16/05/2069		16/05/2085		16/05/2104		00/00/0000	
मंगल	12/10/2044	राहु	26/01/2054	गुरु	04/07/2071	शनि	19/05/2088	बुध	13/10/2106
राहु	30/10/2045	गुरु	21/06/2056	शनि	14/01/2074	बुध	27/01/2091	केतु	10/10/2107
गुरु	06/10/2046	शनि	28/04/2059	बुध	21/04/2076	केतु	06/03/2092	शुक्र	10/08/2110
शनि	15/11/2047	बुध	14/11/2061	केतु	28/03/2077	शुक्र	07/05/2095	सूर्य	17/06/2111
बुध	11/11/2048	केतु	03/12/2062	शुक्र	27/11/2079	सूर्य	18/04/2096	चंद्र	15/11/2112
केतु	09/04/2049	शुक्र	03/12/2065	सूर्य	14/09/2080	चंद्र	17/11/2097	मंगल	12/11/2113
शुक्र	09/06/2050	सूर्य	27/10/2066	चंद्र	14/01/2082	मंगल	27/12/2098	राहु	01/06/2116
सूर्य	15/10/2050	चंद्र	27/04/2068	मंगल	21/12/2082	राहु	03/11/2101	गुरु	02/12/2117
चंद्र	16/05/2051	मंगल	16/05/2069	राहु	16/05/2085	गुरु	16/05/2104		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 3 वर्ष 5 मा 5 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।